



केन-बेतवा लकि परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों द्वारा [केन-बेतवा लकि परियोजना](#) (Ken Betwa Link Project- KBLP) को लागू करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए हैं, जो नदियों को आपस में जोड़ने के लिये [राष्ट्रीय पर्यावरण योजना](#) (National Perspective Plan) की पहली परियोजना है।

- इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लागू करने के लिये दोनों राज्यों द्वारा [वशिव जल दविस](#) (22 मार्च) के अवसर पर केंद्र के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं।

प्रमुख बन्ध:

केन-बेतवा लकि परियोजना (KBLP):

- केन-बेतवा लकि परियोजना (Ken-Betwa Link Project- KBLP) नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजना है, इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र में संचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मध्य प्रदेश की केन नदी के अधिशेष जल को बेतवा नदी में हस्तांतरित करना है।
 - यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश के झाँसी, बाँदा, ललितपुर और महोबा जिलों तथा मध्य प्रदेश के टीकमगढ़, पन्ना और छतरपुर जिलों में फैला हुआ है।
- इस परियोजना में 77 मीटर लंबा और 2 कमी. चौड़ा दौधन बाँध (Dhaudhan Dam) एवं 230 किलोमीटर लंबी नहर का निर्माण कार्य शामिल है।
- केन-बेतवा देश की 30 नदियों को जोड़ने हेतु शुरू की गई नदी जोड़ो परियोजनाओं (**River Interlinking Projects**) में से एक है।
- राजनीतिक और पर्यावरणीय मुद्दों के कारण परियोजना में देरी हुई है।

नदियों को जोड़ने का लाभ:

- **सूखे की घटनाओं में कमी लाना:** नदियों को आपस में जोड़ने से बुंदेलखंड क्षेत्र में सूखे की पुनरावृत्तिका समाधान होगा।
- **किसानों को लाभ:** इससे किसानों की आत्महत्या की दर पर अंकुश लगेगा और संचाई के स्थायी साधन प्रदान करके तथा भूजल पर अत्यधिक निर्भरता को कम करके उनके लिये स्थायी आजीविका सुनिश्चित करेगा।
- **वैद्युत उत्पादन:** बहुउद्देशीय बाँध के निर्माण से न केवल जल संरक्षण में तेज़ी आएगी, बल्कि 103 मेगावाट जल-वैद्युत का उत्पादन भी होगा और 62 लाख लोगों को पीने के पानी की आपूर्ति की जा सकेगी।
- **जैव विविधता का जीर्णोद्धार:** कुछ वन्यजीवों का मानना है कि [पन्ना टाइगर रज़िर्व](#) (Panna Tiger Reserve) के जल संकट वाले क्षेत्रों में बाँधों का निर्माण होने से इस रज़िर्व के जंगलों का जीर्णोद्धार होगा जो इस क्षेत्र में जैव विविधता को समृद्ध करेगा।

मुद्दे:

- **पर्यावरण:** कुछ पर्यावरणीय और वन्यजीव संरक्षण संबंधी चिंताओं जैसे- पन्ना बाघ अभयारण्य के महत्त्वपूर्ण बाघ आवास क्षेत्र का हिस्सा इस परियोजना में आता है, के कारण [राष्ट्रीय हरति अधिकरण](#) (National Green Tribunal- NGT) और अन्य उच्च अधिकारियों से अनुमोदन प्राप्त करने में हो रही देरी के कारण यह परियोजना अटकी हुई है।
- **आर्थिक:** परियोजना के कार्यान्वयन और रखरखाव के साथ एक बड़ी आर्थिक लागत जुड़ी हुई है, जो परियोजना के कार्यान्वयन में देरी के कारण बढ़ रही है।
- **सामाजिक:** परियोजना के कार्यान्वयन से उत्पन्न वसिस्थापन के कारण पुनर्निर्माण और पुनर्वास के साथ-साथ इसमें सामाजिक लागत भी शामिल होगी।

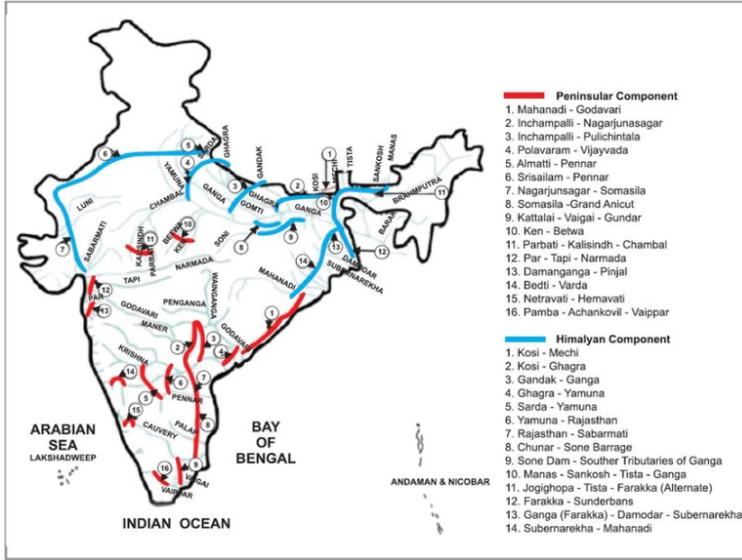
केन और बेतवा नदी:

- केन और बेतवा नदियों का उद्गम स्थल मध्य प्रदेश में है, ये यमुना की सहायक नदियाँ हैं।
- केन नदी उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले में यमुना नदी में मिलती है तथा बेतवा नदी से यह उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मिलती है।

- राजघाट, पारीछा और माताटीला बाँध बेतवा नदी पर नरिमति हैं ।
- केन नदी पन्ना बाघ अभयारण्य से होकर गुज़रती है ।

नदियों को आपस में जोड़ने हेतु राष्ट्रीय परपिरेकष्य योजना:

- नेशनल रविर लकिगि प्रोजेक्ट (NRLP) जसि औपचारिक रूप से 'नेशनल परसपेकटवि प्लान' के रूप में जाना जाता है, का उद्देश्य अंतर-बेसनि जल हस्तांतरण परियोजनाओं के माध्यम से जल 'अधशैष' बेसनि, जहाँ जल की मात्रा अधिक है, से जल की कमी वाले 'बेसनि' में जल का हस्तांतरण करना है, ताकि सूखे आदि की समस्या से निपटा जा सके ।
- राष्ट्रीय परपिरेकष्य योजना के तहत राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (National Water Development Agency- NWDA) द्वारा सुसंगत या औचित्यपूर्ण रिपोर्ट (feasibility reports- FRs) तैयार करने हेतु 30 लक्स (प्रायद्वीपीय क्षेत्र में 16 और हिमालयी क्षेत्र में 14) की पहचान की है ।
- NPP को अगस्त 1980 में जल-अधशैष बेसनि से जल की कमी वाले बेसनि में जल को स्थानांतरित करने हेतु तैयार किया गया था ।



स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस